

8209837844

www.ugc-net.com

# AIM NTA UGC NET 2022

PAPER- 2



Filler form



BY SAKSHI GOSWAMI

**UNIT – 2 ACCOUNTING**  
**( STANDARD COSTING )**

DAILY  
03:00PM

COMMERCE

CLASS  
85

## TYPES OF STANDARDS :-

The fundamental base of standard costing is the determination of standards. In fact, objectives of standard costing can be attained only when proper, objective and feasible standards are fixed. The standards can be classified into two broad categories-

Basic standards

Current standards.

## मानकों के प्रकार:-

मानक लागत का मूल आधार मानकों का निर्धारण है। वास्तव में, मानक लागत के उद्देश्यों को तभी प्राप्त किया जा सकता है जब उचित, उद्देश्य और व्यवहार्य मानक तय किए जाएं। मानकों को दो व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:-

बुनियादी मानक

वर्तमान मानक

# 1. Basic Standards:-

They are also known as 'initial', 'static' or 'fixed' standards. These standards are based on the data of some base year and are determined as a base for a long period. Though these standards can be useful in studying the trend of manufacturing cost in a long period they cannot serve as an effective tool for measuring efficiency and controlling the cost due to continuous change in techniques, prices and business conditions. Moreover, variances calculated on the basis of basic standards do not reflect the correct picture

# बुनियादी मानक

इन्हें 'प्रारंभिक', 'स्थिर' या 'स्थिर' मानकों के रूप में भी जाना जाता है। ये मानक किसी आधार वर्ष के आंकड़ों पर आधारित होते हैं और लंबी अवधि के लिए आधार के रूप में निर्धारित किए जाते हैं। हालांकि ये मानक लंबी अवधि में निर्माण लागत की प्रवृत्ति का अध्ययन करने में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन वे तकनीकों, कीमतों और व्यावसायिक स्थितियों में निरंतर परिवर्तन के कारण दक्षता को मापने और लागत को नियंत्रित करने के लिए एक प्रभावी उपकरण के रूप में काम नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा, बुनियादी मानकों के आधार पर गणना की गई भिन्नताएं सही तस्वीर नहीं दर्शाती हैं

## 2. Current Standards

Current standards are established on the basis of current conditions and are modified according to changing conditions. These standards may be of the following three types:

1. Ideal standard

2. Expected standard

3. Normal standard

## वर्तमान मानक

वर्तमान मानकों को वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर स्थापित किया जाता है और बदलती परिस्थितियों के अनुसार संशोधित किया जाता है। ये मानक निम्नलिखित तीन प्रकार के हो सकते हैं:

आदर्श मानक

अपेक्षित मानक

सामान्य मानक

# 1. Ideal standard

Ideal standard is based on working under the most favourable conditions and high level of efficiency. This standard is fixed on the assumption that all conditions are favourable and the management is at its best position. It is also assumed that price of material will be lowest and wastage will be minimum. The workers will do work most efficiently and the overhead expenses will be incurred on the basis of maximum efficiency. सबकुद अच्छा

# आदर्श मानक

आदर्श मानक सबसे अनुकूल परिस्थितियों और उच्च स्तर की दक्षता के तहत काम करने पर आधारित है। यह मानक इस धारणा पर तय किया जाता है कि सभी परिस्थितियाँ अनुकूल हैं और प्रबंधन अपनी सर्वोत्तम स्थिति में है। यह भी माना जाता है कि सामग्री की कीमत सबसे कम होगी और अपव्यय न्यूनतम होगा। श्रमिक सबसे अधिक कशलता से कार्य करेंगे तथा उपरि व्यय अधिकतम दक्षता के आधार पर किया जायेगा। सबकुद उत्तम

## 2. Expected standard

This standard is based on expected conditions. It means the standard which can be achieved during certain budget period. Hence, it is also known as Attainable or Practical Standard. In setting up this standard, a reasonable allowance is made for normal wastages and due consideration is given to expected condition of work and plant. This standard is considered to be more realistic because it is based on realities and expected conditions. However, the important limitation is that these standards are short-term and require constant revision.

## अपेक्षित मानक

यह मानक अपेक्षित शर्तों पर आधारित है। इसका मतलब है मानक जो एक निश्चित बजट अवधि के दौरान प्राप्त किया जा सकता है। इसलिए, इसे प्राप्य या व्यावहारिक मानक के रूप में भी जाना जाता है इस मानक को स्थापित करने में, सामान्य अपव्यय के लिए एक उचित भत्ता दिया जाता है और काम और संयंत्र की अपेक्षित स्थिति पर उचित ध्यान दिया जाता है। इस मानक को अधिक यथार्थवादी माना जाता है क्योंकि यह वास्तविकताओं और अपेक्षित स्थितियों पर आधारित होता है। हालांकि, महत्वपूर्ण सीमा यह है कि ये मानक अल्पकालिक हैं और इन्हें निरंतर संशोधन की आवश्यकता होती है।

### 3. Normal standard

Normal standard is one which is neither very high nor very low and is established keeping in view the seasonal and cyclical fluctuations. Such standards (5 years, covering one trade cycle). These standards can be useful from the view of long time, say term planning and decision but have limited utility from the view of efficiency measurement and cost control under prevailing conditions.

### सामान्य मानक

सामान्य मानक वह होता है जो न तो बहुत अधिक होता है और न ही बहुत कम होता है और मौसमी और चक्रीय उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखते हुए स्थापित किया जाता है। ऐसे मानक (5 वर्ष, एक व्यापार चक्र को कवर करते हुए) ये मानक लंबे समय के दृष्टिकोण से उपयोगी हो सकते हैं, जैसे कि टर्म प्लानिंग और निर्णय लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में दक्षता माप और लागत नियंत्रण की दृष्टि से सीमित उपयोगिता है।

## \*Advantages of standard costing:

### \*मानक लागत के लाभ:

- Cost control
- Managerial tool
- Motivation
- Efficient operation
- Management by exception (top management requirement or need becomes less)
- Helps in decision making
- लागत नियंत्रण
- प्रबंधकीय उपकरण
- प्रेरणा
- कुशल संचालन
- अपवाद द्वारा प्रबंधन (शीर्ष प्रबंधन की आवश्यकता या आवश्यकता कम हो जाती है)
- निर्णय लेने में मदद करता है



## \*Limitations of standard costing:

### \*मानक लागत की सीमाएं:

- Difficulty in setting standards
- Rigidity
- Expensive
- Impractical for small scale industries
- Based on budgetary control
- मानक तय करने में कठिनाई
- कठोरता
- महँगा
- लघु उद्योगों के लिए अव्यावहारिक
- बजटीय नियंत्रण के आधार पर

\* Cost variance (difference between the standard and the actual cost)

Favourable variance (actual cost is less than the standard cost)

• Unfavorable variance (actual cost is more than the standard cost)

\* लागत भिन्नता (मानक और वास्तविक लागत के बीच का अंतर)

■ अनुकूल विचरण (वास्तविक लागत मानक लागत से कम है)

■ प्रतिकूल विचरण (वास्तविक लागत मानक लागत से अधिक है)

**\*Analysis of Variance** (dividing the total cost variance into sub variances and thoroughly analysed them in order to find out the reasons)

- **\*विचरण का विश्लेषण** (कुल लागत भिन्नता को उप प्रसरणों में विभाजित करना और कारणों का पता लगाने के लिए उनका गहन विश्लेषण करना)

**\*Material cost variance** = material price variance + material usage variance

• **Material cost variance** =  $(SQ * SP) - (AQ * AP)$  .

• **Material price variance** =  $AQ(SP - AP)$

Material usage/quantity/volume variance =  $SP(SQ - AQ)$

:

- \* सामग्री लागत विचरण = सामग्री मूल्य विचरण + सामग्री उपयोग विचरण
- सामग्री लागत विचरण =  $(SQ * SP) - (AQ * AP)$  ।
- सामग्री मूल्य विचरण =  $AQ(SP - AP)$
- सामग्री का उपयोग/मात्रा/वॉल्यूम विचरण =  $SP(SQ - AQ)$

• Material mix variance:

When there is no difference between total quantity of standard mix and actual mix:

$$MMV = SP (SQ - AQ)$$

When total standard mix and actual standard mix are of different quantities:

$$MMV = (RSQ - AQ) * SP$$

• **Material sub-usage variance** =  $(SQ - RSQ) * SP$

- सामग्री मिश्रण विचरण:
- जब मानक मिश्रण की कुल मात्रा और वास्तविक मिश्रण के बीच कोई अंतर न हो:
- एमएमवी = एसपी (एसक्यू - एक्यू)
- जब कुल मानक मिश्रण और वास्तविक मानक मिश्रण अलग-अलग मात्रा में हों:
- एमएमवी = (आरएसक्यू-एक्यू)\* एसपी

- **Labour Variances:**
- • **Labour Cost Variance** =  $(ST*SR) - (AT*AR)$
- **Labour Rate Variance** =  $AT (SR-AR)$
- • **Labour Time/Efficiency Variance** =  $SR (ST-AT)$
- • **Labour Idle Time Variance**- Idle time(hours)\* SR
- • **Labour Mix Variance:**
- When total actual time spent and total standard time are same:  $LMV=SR (ST-AT)$
- When total actual time spent and total standard time are not same:
- $LMV=SR(RST-AT)$
- MASTER

- श्रम भिन्नताएं:
- • श्रम लागत विचरण =  $(ST*SR) - (AT*AR)$
- श्रम दर विचरण = एटी (एसआर-एआर)
- • श्रम समय/दक्षता भिन्नता = एसआर (एसटी-एटी)
- • लेबर आइडल टाइम वेरिएंस- आइडल टाइम (घंटे)\* SR
- • श्रम मिश्रण विचरण:
- जब कुल वास्तविक समय और कुल मानक समय समान हों:  $LMV=SR (ST-AT)$
- जब कुल वास्तविक समय और कुल मानक समय समान नहीं होते हैं:
- एलएमवी = एसआर (आरएसटी-एटी)